न्यूज डायरी

तालिबान के खिलाफ उठ खड़ी हुई हेरात की जनता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हेरात। तालिबान और अफगान सेना के बीच जंग का मैदान बने हेरात शहर में हजारों की तादाद में जनता रात को आतंकवादी हिंसा के खिलाफ उठ खड़ी हुई। हेरात शहर के लोगों ने एकजुटता का प्रदर्शन करने के लिए अल्लाह हू अकबर या अल्लाह महान है के नारे लगाए। बताया जा रहा है कि इस नारे को लगाने का आह्वान तालिबान के खिलाफ चट्टान की तरह खड़े बुजुर्ग अफगान नेता इस्माइल खान ने दिया था।
हेरात से वायरल हुए वीडियो में नजर आ रहा है कि हजारों की तादाद में लोग अपने घरों की छतों पर खड़े हो गए और उन्होंने अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए। इसके साथ ही उन्होंने अफगान सेना को अपना पूरा समर्थन दिया। इस पूरी घटना के वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो गए हैं। अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने ट्वीट करके कहा कि हेरात पुकार रहा है। आज रात हेरात बुलंद आवाज में नारे लगा रहा है।

अफगानिस्तान में बढ़ती हिंसा के पीछे अमेरिकी सेनाओं की तेजी से वापसी जिम्मेदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती हिंसा पर अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अमेरिका के खिलाफ निशाना साधा है। गनी ने कहा कि अफगानिस्तान में बढ़ती हिंसा के पीछे अमेरिकी सेनाओं की तेजी से वापसी जिम्मेदार है। उन्होंने वादा किया कि अफगानिस्तान की सरकार और सेना अब तालिबान के बढ़ते प्रभाव को कम करने और प्रमुख शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। अशरफ गनी ने पिछले कुछ महीनों से तालिबान और अफगान सरकारी बलों के बीच जारी संघर्ष के मद्देनजर सांसदों से तालिबान के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होने तथा लामबंदी अभियान का समर्थन करने का आग्रह किया है। अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सैनिकों की वापसी के मद्देनजर अशरफ गनी का यह बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सऊदी अरब में तोड़े यात्रा प्रतिबंध के नियम तो पड़ेगा महंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। कोरोना से बचाव के लिए लगाए जाने वाले प्रतिबंध बेहद सख्त इसलिए होते हैं क्योंकि इनका सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से होता है। यही कारण है कि इनका उल्लंघन करने वालों को भारी भरकम जुर्माने का भुगतान करना पड़ता है। इसी कड़ी में सऊदी लोक अभियोजन कार्यालय ने चेतावनी दी है वह यात्रा प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर जुर्माना लगाएगा।
कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले देशों की यात्रा करने पर यात्रियों को जुर्माने के रूप में 133,323 डॉलर यानी करीब 1 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। नियमों के मुताबिक इसी तरह का जुर्माना परिवहन संचालकों और मालिकों पर भी लगाया जाएगा। एक ट्वीट में अधिकारियों ने कहा कि उन यात्रियों के खिलाफ गंभीर दंडात्मक उपाय किए जाएंगे जिन्होंने सऊदी अरब की कोरोना यात्रा प्रतिबंध लिस्ट में शामिल किसी भी देश की यात्रा की होगी।

अमेरिका बोला– हमारी दोस्ती भारत के साथ अटूट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि भारत के साथ हमारे अटूट संबंध हैं। दोनों देशों के आर्थिक, व्यापारिक और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी हित और चिंताएं साझा हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने हाल ही में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के भारत दौरे के बाद पत्रकार वार्ता में यह बात कही। दौरे के संबंध में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्री के दौरे में वार्ता का एजेंडा विस्तृत था। इसमें अर्थव्यवस्था, व्यापार, जलवायु के साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी वार्ता हुई है। दोनों ही देश क्वाड के सदस्य हैं, इस पर भी चर्चा की गई। दोनों देशों ने कोरोना महामारी में वैक्सीन उत्पादन की क्षमता बढ़ाने पर भी विचार किया है। नेड प्राइस ने भारत दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि अमेरिका और भारत के संबंध सरकार के ही स्तर पर नहीं हैं।

ड्रैगन को घर में चुनौती देगी भारतीय नौसेना

ऐलान

साउथ चाइना सी में शक्ति प्रदर्शन करेंगे 4 युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
पेइचिंग/सिंगापुर। पूर्वी लद्दाख में दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन को उसके घर में चुनौती देने के लिए भारतीय नौसेना ने 4 घातक युद्धपोत भेजने का ऐलान किया है। भारतीय नौसेना के ये युद्धपोत करीब दो महीने तक दक्षिण चीन सागर और दक्षिण पूर्वी एशिया में रहेंगे। भारतीय युद्धपोत वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपीन्स के साथ युद्धाभ्यास करेंगे। इन सभी देशों का चीन के साथ दक्षिण चीन सागर में विवाद चल रहा है।
भारत जिन युद्धपोतों को भेज रहा है, उनमें गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रायर, गाइडेड मिसाइल फ्रीगेट, एंटी सबमरीन पोत और गाइडेड मिसाइल पोत शामिल हैं। ये युद्धपोत ऐसे समय पर साउथ चाइना सी में जा रहे हैं जब ताइवान पर चीन के हमले का खतरा मंडरा रहा है। यही नहीं चीन के आक्रामक रुख से पूरे साउथ चाइना सी में उसके पड़ोसी

देश परेशान हैं। फिर चाहे वियतनाम हो या फिर इंडोनेशिया।
दुनिया में नौसैनिक गतिविधियों का केंद्र बना दक्षिण चीन सागरः इसी वजह से दक्षिण चीन सागर इस समय दुनिया में नौसैनिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है। पिछले सप्ताह ही ब्रिटेन का एयरक्राफ्ट कैरियर इस इलाके से गुजरा है। यही नहीं अमेरिका के महाविनाशक युद्धपोत इस इलाके से अक्सर गुजरते रहते हैं।
इसी समुद्र में चीन की नौसेना पीएलए भी नियमित अंतराल पर अभ्यास करती रहती है। चीन का दावा है कि लगभग पूरा दक्षिण चीन सागर उसका संप्रभु इलाका है। अपने इस दावे को पुष्ट करने के लिए चीन लगातार साउथ चाइना सी में कृत्रिम द्वीप बना रहा है। यही नहीं इन द्वीपों को उसने किले में बदल दिया है जहां पर भारी हथियार और लड़ाकू विमान तैनात हैं। भारत की इस नौसैनिक तैनाती पर सिंगापुर के नौसैनिक मामलों के विशेषज्ञ कोलिन कोह कहते हैं कि यह मलक्का स्ट्रेट के पूरब में भारत का नौसैनिक ताकत का प्रदर्शन है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि इस यात्रा के दौरान भारतीय युद्धपोत कोई आक्रामक व्यवहार दिखाएंगे और न ही विवादित द्वीपों के नजदीक जाएंगे।
चीन को संदेश देगी भारतीय नौसेनाः सिंगापुर के विशेषज्ञ कोह ने सीएनएन से कहा, दक्षिण चीन सागर में भारतीय युद्धपोतों की उपस्थिति ही फिर वह चाहे विवादित द्वीपों से 12 नॉटिकल मील की दूरी से ही क्यों न हो, चीन को संदेश देने के लिए पर्याप्त है। भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह लद्दाख में विवाद के बाद भी पश्चिम प्रशांत महासागर में अपनी उपस्थिति बनाए रखेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के इस शक्ति प्रदर्शन से चीन का भड़कना तय है।

धमाके के बाद अचानक तुर्की में हरा हो गया आसमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। तुर्की के इजमिर में लोग आसमान में एक विस्फोट की आवाज सुनकर चौंक गए। इतना ही नहीं बल्कि कुछ सेकंड के लिए आसमान का रंग चमकीले हरे रंग में बदल गया। देश के कई सोशल मीडिया यूजर्स ने एक रुउल्काश के जमीन पर गिरने का वीडियो शेयर किया। इस उल्का के चलते आसमान में एक विस्फोट हुआ और कुछ सेकंड के लिए आसमान का रंग बदल गया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहा है।
छोटी मिसाइल का लगाया अनुमानः मैंद म्सीप नाम के एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, श्तुर्की में इजमिर के ऊपर एक हरा उल्का देखा गया। उन्होंने अनुमान लगाते हुए लिखा, यह उल्का नहीं है बल्कि किसी सैटेलाइट से शूट की गई छोटी मिसाइल है। उल्का के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही पैदा हुई आग पर ध्यान दीजिए। कई लोगों ने रॉकेट के मलबे या सैटेलाइट विस्फोट की अफवाह पर विश्वास कर लिया। इस बीच कुछ लोगों ने यूएफओ की मौजूदगी के भी सुझाव दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इसी तरह की अटकलों से भरे हुए हैं और अलग–अलग सिद्धांत इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं।

रेडियो स्टेशन पर तालिबान ने किया कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के जिलों पर तालिबान का कब्जा स्थायी रूप ले रहा है। खबरों के मुताबिक लड़ाकों ने लश्करगाह के एक रेडियो स्टेशन पर कब्जा कर लिया है। तालिबान ने अपनी धमकियों, चेतावनियों और अपने प्रोपेगेंडा Voice of Shariah को फैलाने के लिए रेडियो स्टेशन पर कब्जा किया है। बता दें कि प्रांतीय राजधानी लश्करगाह में तालिबान और अफगान सेना के बीच बीते पांच दिनों से लड़ाई चल रही है। राजधानी लश्करगाह के रेडियो स्टेशन पर कब्जा हेलमंद प्रांत के पतन की ओर इशारा करता है। दक्षिणी हेलमंद पहले ही जंग का मैदान बना हुआ है।

भारत से आने वाली उड़ानों पर लगी रोक बढ़ा सकता है यूएई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
दुबई। यूएई की सरकार भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से आने वाली उड़ानों पर लागू प्रतिबंध को और आगे तक बढ़ा सकती है। म्जपींक ने एक बयान में कहा कि यूएई सरकार के हालिया निर्देशों के बाद भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से पैसेंजर ट्रैवल को 7 अगस्त 2021 तक के लिए निलंबित कर दिया गया है। अबू धाबी की एयरलाइंस ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि हालात को देखते हुए सरकारी आदेशों के अनुसार इस तारीख को बढ़ाया भी जा सकता है।
31 अगस्त तक बढ़ सकता है ट्रैवल बैनः वहीं सोशल मीडिया पर गल्फ न्यूज के नाम से एक खबर फैलाई जा रही है कि यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध को 31 दिसंबर तक बढ़ाया जा सकता है। सोमवार को गल्फ न्यूज ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि यात्रा प्रतिबंध 7 अगस्त तक लागू हैं न कि 31 दिसंबर तक। ट्रैवल इंडस्ट्री के सूत्रों ने कहा कि प्रतिबंध 31 अगस्त तक बढ़ सकता है क्योंकि 7 अगस्त से 12 अगस्त के बीच निर्धारित कुछ उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं।
किसे मिलेगी यूएई में प्रवेश की छूटः संयुक्त अरब अमीरात के नागरिकों, राजनयिक मिशनों, आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों और गोल्डन वीजा धारकों को संयुक्त अरब अमीरात में प्रवेश के लिए छूट दी गई है। चारों देशों के लिए कमर्शियल उड़ानों का संचालन करने वाले म्जपींक ने कहा कि दोनों ओर से कार्गो उड़ानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को ट्रैवल प्लान में बदलाव के बारे में लगातार अपडेट किया जा रहा है।
भारत में फंसे प्रवासी कामगार भारत में फंसे कामगार जो संयुक्त अरब अमीरात जाना चाहते हैं, उन्हें भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। ट्रैवल एजेंसियां फ्लाइट टिकट से लेकर 15 दिनों के होटल क्वारंटीन पीरियड के लिए पैकेज ऑफर कर रही हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ प्रमाणिक कदम उठाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पाकिस्तान अगर दोनों देशों के बीच पड़ोसी वाले संबंध चाहता है तो उसे अपने नियंत्रण वाली जमीन का किसी भी आतंकी गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं करने के प्रमाणिक कदम उठाने होंगे। सूत्रों के मुताबिक तिरुमूर्ति ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत शांतिपूर्ण और सामान्य संबंधों की इच्छा रखता है। लेकिन यह तभी हो सकता है जब वातावरण पूरी तरह से आतंकवाद से मुक्त हो। पाकिस्तान शांति चाहता है या हिंसा यह उस पर ही निर्भर करता है। पाकिस्तान को अपने क्षेत्र में कोई भी आतंकी गतिविधि नहीं होने देने के लिए विश्वसनीय और सत्यापित करने योग्य कदम उठाने होंगे। सुरक्षा परिषद की पहली बार अध्यक्षता करते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी कथनी और करनी को साबित करना होगा।